चीनी मिलों ने किए 2.5 लाख टन एक्सपोर्ट के कॉन्ट्रैक्ट

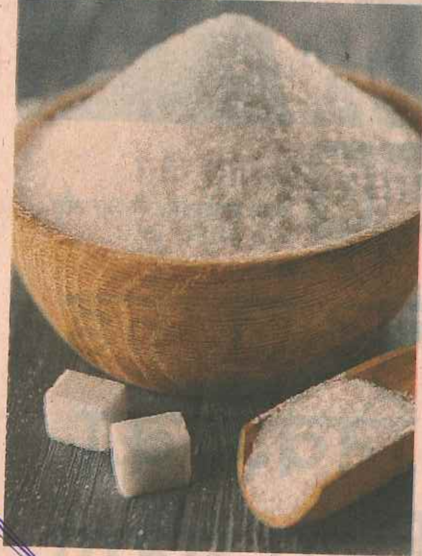

सरकार से फिस्कल इंसेंटिव्स मिलने और शुगर स्टोरेज की समस्या के चलते मिलों ने कॉन्ट्रैक्ट किए हैं

[जयश्री भोसले | पुणे]

देश की चीनी मिलों ने नवंबर से जनवरी तक 2.5 लाख टन व्हाइट और रॉ शुगर के निर्यात के लिए एग्रीमेंट किया है। यह जानकारी मर्चेंट एक्सपोर्टर्स, मिलर्स और ट्रेड हाउसेज के सूत्रों ने दी है। मिलों ने केंद्र से फिस्कल इंसेंटिव्स मिलने और शुगर स्टोरेज की समस्या के चलते ये कॉन्ट्रैक्ट किए हैं। यहां तक कि सबसे बड़े चीनी उत्पादक उत्तर प्रदेश की शुगर मिलें भी बड़े पैमाने पर चीनी का निर्यात कर सकती हैं।

इस्मा के प्रेसिडेंट और बारामती एग्रो के चीफ एग्जिक्यूटिव रोहित पवार ने बताया, 'मौजूदा हालात निर्यात के लिहाज काफी अच्छी हैं। जनवरी तक 2.5 लाख टन शुगर एक्सपोर्ट का कॉन्ट्रैक्ट कर लिया गया है।

चीनी मिलों को 18.50 से 19 रुपये प्रति किलो एक्स-मिल रेट और केंद्र से मिलने वाली मदद के बाद करीब 31 रुपये प्रति किलो का एक्सपोर्ट रेट मिल रहा है। हालांकि, ज्यादातर कॉन्ट्रैक्ट व्हाइट शुगर के लिए हुआ है, लेकिन रॉ शुगर के एक्सपोर्ट के लिए भी करार हुए हैं। महाराष्ट्र की एक प्राइवेट शुगर मिल के एक एग्जिक्यूटिव के मुताबिक, 'व्हाइट शुगर पर एफओबी (फ्री ऑन बोर्ड) प्राइस 310 डॉलर प्रति टन से 330 डॉलर प्रति टन तक है। वहीं, रॉ शुगर के लिए यह 229 डॉलर प्रति टन है।'शुगर मिलों को प्रॉडक्शन असिस्टेंट के तौर पर 11 रुपये प्रति किलो, किसानों के लिए 1388 रुपये प्रति टन और ट्रांसपोर्ट के लिए 3000 रुपये प्रति टन तक बतौर सब्सिडी मिलेंगे। इस हिसाब से निर्यातकों के लिए यह सौदा घरेलू बाजार में बिक्री से ज्यादा बेहतर है।

भारत ने 2017-18 में 322.5 लाख टन चीनी का उत्पादन किया था। वहीं, शुगर मिल्स एसोसिएशन (इस्मा) ने 2018-19 में 355 लाख टन शुगर प्रॉडक्शन का अनुमान लगाया है। देश में 2018-19 के लिए 100 लाख टन का पुराना स्टॉक भी है।

उत्तर प्रदेश आमतौर पर बंदरगाहों से ज्यादा दूरी होने की वजह से रॉ शुगर का उत्पादन नहीं करता है। हालांकि, इस बार वह प्रयोग के तौर पर इसका प्रॉडक्शन कर सकता है।

यूपी के त्रिवेणी इंजीनियरिंग एंड इंडस्ट्रीज लिमिटेड के प्रमोटर तरुण स्वाने ने बताया, 'रॉ शुगर एक्सपोर्ट पर पहली बार इंसेंटिव मिला है। ऐसे में काफी हद तक संभावना है यूपी की शुगर मिलें इस बार रॉ शुगर का प्रॉडक्शन करें। कुल एक्सपोर्ट की क्वॉन्टिटी इस पर निर्भर रहेगी कि ग्लोबल और डोमेस्टिक मार्केट कैसी प्रतिक्रिया रहती है।'

- **देश के** सबसे बड़ी चीनी उत्पादक राज्य उत्तर प्रदेश की शुगर मिलें भी बड़े पैमाने पर निर्यात कर सकती हैं
- **चीनी मिलों** को 18.50 से 19 रुपये प्रति किलो एक्स-मिल रेट और केंद्र से मिलने वाली मदद के बाद करीब 31 रुपये प्रति किलो का एक्सपोर्ट रेट मिल रहा है
- **व्हाइट शुगर** पर एफओबी (फ्री ऑन बोर्ड) प्राइस 310 डॉलर प्रति टन से 330 डॉलर प्रति टन तक है, रॉ शुगर के लिए यह 229 डॉलर प्रति टन है

Economic Times Hindi
17-10-2018